बाल वैज्ञानिकों को निखार रहा निस्ट, निबंध व चित्रांकन स्पर्द्धा का आयोजन

▲ पूर्वोदय संवाददाता

जोरहाट, 29 मार्च। नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (निस्ट) ने अनुसंधान एवं तकनीक के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए ज्ञान योजना पर बल दिया है। संस्थान का विशेष रूप से उत्तर पूर्वी क्षेत्र और देश के आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक उत्थान में 5 दशकों से भी अधिक समय तक योगदान रहा है।

संस्थान के निदेशक डा. जी. नरहरि शास्त्री के नेतृत्व में संस्थान द्वारा असम के ग्रामीण मेधावी छात्रों को मेंटरशिप प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। पूर्व में राज्य स्तरीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में अतिथि के रूप में भाग लेते हुए डा. शास्त्री ने मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल और शिक्षा मंत्री डा. हिमंत विश्व शर्मा के समक्ष यह आश्वासन दिया था कि निस्ट इस क्षेत्र के छात्रों को विज्ञान के माध्यम से अपना कैरियर बनाने में मदद करेगा। तदनुसार आर्थिक रूप से गरीब परिवार के कम से कम 20 हाई स्कूल के मेधावी छात्रों के लिए स्वर्ण जयंती छात्रवृत्ति सहित मेंटरशिप और गोल्डन जुबली छात्रवृत्ति प्रदान करने की घोषणा की, जिसका मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ने डा. शास्त्री द्वारा की गई पहल की सराहना की थी। छात्रों के चयन की जिम्मेदारी असम विज्ञान प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, गुवाहाटी को दी गई थी। आठवीं से दसवीं कक्षा के 18 छात्रों का चयन किया गया। निस्ट ने इन्हें बाल वैज्ञानिक का दर्जा प्रदान किया।

ज्ञात हो कि जब कोविड-19 के कारण पूरी दुनिया लॉकडाउन में थी, तब निस्ट ने डा. नरहरि शास्त्री के

नेतृत्व में पहला अखिल भारतीय ऑनलाइन शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम, समर रिसर्च ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया, जिसने पूरे भारत में दस हजार से अधिक शिक्षाविदों को जोड़ा और उन्हें वैज्ञानिक ज्ञान का पता लगाने के लिए मंच प्रदान किया। चयनित छात्रों को परियोजनाएं करने हेतु सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। अंत में सभी छात्रों को एक सप्ताह के लिए जिज्ञासा परियोजना के तहत 15 से 20 मार्च तक प्रेरित करने के उद्देश्य से पुनः आमंत्रित किया गया। हालांकि स्कूल में वार्षिक परीक्षाओं के कारण 18 में से 13 छात्र ही इस कार्यक्रम में शामिल हो सके। उनके आगमन के बाद छात्रों को किड्स वर्ल्ड ऑफ साइंस से परिचित कराया गया, जो स्कूली छात्रों को विज्ञान के प्रति प्रेरित करने और उनके वैज्ञानिक स्वभाव को विकसित करने के लिए निदेशक डा. शास्त्री द्वारा तैयार किया गया था। 15 मार्च की शाम डा. शास्त्री के साथ डा. जतिन कलिता और निस्ट के कुछ सम्मानित वैज्ञानिकों ने प्रेरक भाषण दिए और पिछले कुछ वर्षों में निस्ट की कुछ महान उपलब्धियों का भी वर्णन किया। आयोजन के दूसरे दिन बाल वैज्ञानिकों के बीच उनकी सोच क्षमता और कौशल का विश्लेषण करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विषय देकर निबंध प्रतियोगिता और चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके बाद बाल वैज्ञानिकों को संस्थान की कुछ प्रयोगशालाओं को दिखाया गया, जिसमें कोविड-19 प्रयोगशाला, कोयला अनुसंधान प्रयोगशाला आदि शामिल हैं।

इन गतिविधियों के साथ छात्रों को कुछ प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की संक्षिप्त जीवनी और उनके महत्वपूर्ण वैज्ञानिक योगदान को लिखने का काम दिया गया, ताकि उनके भविष्य के लिए एक ही तरह की दृष्टि और स्वभाव बन सके।

समापन समारोह के दिन निस्ट डायमंड जुबली कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. मधु दीक्षित, पूर्व निदेशक एवं नेशनल चेयर ने बच्चों को प्रमाण पत्र सौंपा। समारोह के दौरान डा. शास्त्री ने उल्लेख किया कि इन बाल वैज्ञानिकों को उनके पूरे जीवन में सहयोग कायम रखा जाएगा, जब तक वे पूरी तरह से व्यवस्थित नहीं हो जाते हैं और उन्हें समय-समय पर निस्ट आमंत्रित किया जाता रहेगा।